



॥ श्री महावीराय नमः ॥

॥ श्री वीतरागाय नमः ॥

॥ नमो नाथरस ॥

Shree Greater Bombay Vardhman Sthanakvasi Jain Mahasangh

Conducted

MATUSHREE MANIBEN MANSI BHIMSHI CHHADVA

DHARMIK SHIKSHAN BOARD

धार्मिक शिक्षण बोर्ड

Website : jaineducationboard.org

E-mail : jainshikshanboard@gmail.com

८ जनवरी २०२३ - जैनशाळा पेपर - गुण : १०० - समय : ९ से १२

श्रेणी-२

Student Name		Roll No.	
Date of Birth		Mobile No.	
Sangh Name		Supervisor Name	
Jainshala Name		Supervisor's Signature	

Marks

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	Total

प्रश्न.१ (ए) पाठ पूर्ति करो।

(२४)

- (१) सागविहिं,,,, वाहणविहिं.
- (२) खमासमणो,,,, मे मि उगहं.
- (३) पाणाईवायाओ,,,, चउरिंदय.
- (४) चउव्विहे,,,, हिंसप्पयाणं.
- (५) वत्थ,,,, पीढ.
- (६) इत्यादि,,,, सगा संबधी.

(बी) नीचेना शब्दोना मागधी शब्द लखो। (०७)

- (१) ज्यां सुधी _____ (५) मनथी _____
(२) प्रसन्न थाओ _____ (६) चक्कर आववाथी _____
(३) क्षय रहित _____ (७) व्यापारोनो _____
(४) लोकना नाथ _____

(भमलीए, जाव, पसीयंतु, मणसा, मक्खय, जोगं, लोगनाहाणं)

(सी) नीचेना शब्दोना अर्थ लखो। (०८)

- (१) वंदे _____ (५) उड्डुअेणं _____
(२) मोणेणं _____ (६) सक्कारेमि _____
(३) दग _____ (७) न पालियं _____
(४) अभयदयाणं _____ (८) उवज्जायाणं _____

(पाळ्यु न होय, अभयदानना देनारा, वचन द्वारा मौन रहीने, वंदन करुं छुं, सचित माटी, सत्कार करुं छुं, उपाध्यायजीने, ओडकार आववाथी)

(डी) माग्या प्रमाणे जवाब आपो। (०५)

मननो दोष - (4) _____ (7) _____

वचननो दोष - (5) _____ (8) _____

कायानो दोष - (6) _____

प्रश्न. २) (ए) नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो। (०५)

- (१) शल्य केटला छे ? _____
(२) पावाणं अटले शुं ? _____
(३) कित्तिय अटले शुं ? _____
(४) आरुग्ग अटले शुं ? _____
(५) जैन साधुनी सामायिकने शुं कहेवाय ? _____

(बी) जोडका जोडो.

(०५)

- | | | |
|---------------------|--------------------------|--------------------------------------|
| (१) प्रणिपात सूत्र | <input type="checkbox"/> | (१) काव्यमय |
| (२) अतिचार | <input type="checkbox"/> | (२) पाठमय |
| (३) लोगस्स सूत्र | <input type="checkbox"/> | (३) विशेष नमष्कार |
| (४) नमोत्थुणं सूत्र | <input type="checkbox"/> | (४) कारुसग्गना आगार जाणवा माटेनो पाठ |
| (५) उत्तरीकरण सूत्र | <input type="checkbox"/> | (५) व्रतभंग करवा तैयार थवुं |

(सी) मात्र आंकडामां जवाब आपो ।

(०५)

- (१) जेने नाक न होय तेने केटली ईन्द्रियवाला कहेवाय ? _____
- (२) आगार केटला छे ? _____
- (३) कया सूत्रनु बीजु नाम उत्कीर्तन सूत्र छे ? _____
- (४) सामायिकमां केटला पापनी वृत्ति अने प्रवृत्ति छोडवी जोईअे ? _____
- _____
- (५) आपणने तीर्थकर भगवान केटला दान देनारा छे ? _____

प्रश्न ३) (ए) मात्र अक शब्दमां जवाब लखो ।

(१०)

- (१) चोथा अभिगमनु नाम शुं छे ? _____
- (२) नाशवंत वस्तुओ जाणी लइ तेना पर शुं ना करवु ? _____
- (३) शत्रुओथी कोण बचावे ? _____
- (४) बधाने मारा मानवाथी आपणे शुं बांधीअे छीअे ? _____
- (५) बारव्रतो कोनी जेम पाळशो ? _____
- (६) नंदीषेणमुनी जेवी आपणे शुं करवानी छे ? _____
- (७) तप कोनी जेम करशो ? _____
- (८) शुं राखीने अभ्यास करवाथी ज्ञान वधे छे ? _____
- (९) केवु तप करवाथी ज्ञान वधे छे ? _____
- (१०) शुं घटाडीने अभ्यास करवाथी ज्ञान वधे छे ? _____

(बी) नीचेना वाक्य साचा छे के खोटा ते लखो ।

(१०)

- (१) संसारीनो विनय करीने अभ्यास करवाथी ज्ञान वधे छे ।
- (२) आत्मां गरम के ठंडो स्पर्श नथी ।
- (३) शालीभद्रनी जेम श्रद्धावान क्यारे बनीश ।
- (४) दरेक समये धर्म ज शरण आपे ।
- (५) जन्म लेवानो आत्मानो स्वभाव नथी ।
- (६) आ दुनिया घणी घणी चिंताओ अने उपाधिओथी भरेली छे ।
- (७) जेमां जीव होय तेने सचेत कहे छे ।
- (८) जमता पहेला साधुसाध्वीजीने वहोराववानी भावना भावीश ।
- (९) मोक्षमां आत्माने रुपी अने अमर कहेवाय ।
- (१०) संपत्ति अने युवानी कायम टके छे ।

प्रश्न ४) कथा विभागना आधारे प्रश्नोना जवाब एक शब्दमां लखो ।

(१०)

- (१) कमठ कोण हतो ? _____
- (२) जन्मथीज मति, श्रुत अने अवधि अेम ३ ज्ञान कोने हता ? _____
- (३) दधिवाहन राजा कई नगरीना हता ? _____
- (४) नंदीषेण मुनी कई तपश्चर्यानु पारणु करवानी तैयारी मां हता ? _____
- (५) चंदनवाळा केटला साध्वीओना अग्रणी थया ? _____
- (६) सिद्धार्थ राजा कोना अनुयायी हता ? _____
- (७) धनावह शेठनी पत्नीनुं नाम शुं हतुं ? _____
- (८) भगवान महावीर स्वामी कई नगरीमां बिराजता हता ? _____
- (९) मेघमाळी नामे देव कोण बन्या ? _____
- (१०) देवोअे ईन्द्र महाराजाना मुखेथी कोनी प्रशंसा सांभळी हती ? _____

प्रश्न ५) काव्य विभागना आधारे काव्य पूर्ति करो।

(१०)

(१) लोको कहेता

.....

..... महान छे.

(२) मा-बाप

.....

..... मारुं घर.

(३) दुःख पहोंचेना

.....

..... तो प्रेमथी.

(४) आचार्य देवो

.....

..... रमनार .